मतलब के रिश्तों को तोड़कर | By Mukesh Bagda

मतलब के रिश्तों को तोड़ के आन बंधा मेरी माँ .....

मतलब के रिश्तो को तोड़ के प्यार के बंधन में
आन बंधा मेरी माँ.....
ममता की छाया दे दातिए तेरी चौखट पे
आज खड़ा मेरी माँ .....
आन बंधा मेरी माँ.....

इस पाप के जग में झूठा है हर नाता
घाव को दिखलाऊँ कैसे तुझे माता
तू प्यार का भण्डार है माँ तीनो लोको में
नाम बड़ा तेरा माँ.....
मतलब के रिश्तो को तोड़ के प्यार के बंधन में
आन बंधा मेरी माँ.....
आन बंधा मेरी माँ.....

अपनों का मारा हूँ दुखडो से हारा हूँ
माँ थाम ले मुझको बेटा तुम्हारा हूँ
अब लौट के खाली ना जाऊं बालक ये ज़िद पे
आज अड़ा मेरी माँ.....
मतलब के रिश्तो को तोड़ के प्यार के बंधन में
आन बंधा मेरी माँ.....
आन बंधा मेरी माँ.....

मैंने सुना दर पे हर काम बनता है
मैया जो तू करती कोई ना करता है
तू प्यार से नज़रे उठा के देख ज़रा तो ले
मुझको पहाड़ी माँ .....
मतलब के रिश्तो को तोड़ के प्यार के बंधन में
आन बंधा मेरी माँ.....
आन बंधा मेरी माँ.....

तारीफ तेरी मैं कैसे करू दाती
जग छोड़ दे जिनको उनको तू अपनाती
तेरे हर्ष को ज़ालिम ज़माने ने है ठुकराया
शरण पड़ा तेरी माँ .....
मतलब के रिश्तो को तोड़ के प्यार के बंधन में
आन बंधा मेरी माँ.....
आन बंधा मेरी माँ.....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a4%a4%e0%a4%b2%e0%a4%ac-%e0%a4%95%e0%a5%87-%e0%a4%b0%e0%a4%bf%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%a4%e0%a5%8b%e0%a4%82-%e0%a4%95%e0%a5%8b-%e0%a4%a4%e0%a5%8b%e0%a4%a1%e0%a4%bc%e0%a4%95%e0%a4%b0-by-m/